2019

M.A.

4th Semester Examination

HINDI

PAPER – HINDI-404 (Group A)

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

The figures in the right-hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their Own words as far as practicable.

Illustrate the answers wherever necessary.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 4×2=8

क) प्रेमचंद का वास्तविक नाम क्या था? यह नाम किसने दिया?

ख) प्रेमचंद की पहली कहानी कौन सी है और किस पत्रिका में प्रकाशित हुई है?

ग) प्रेमचंद की अंतिम कहानी कौन सी है और उसका प्रकाशन वर्ष क्या है?

घ) 'सोजे-वतन' किस विधा की रचना है और इसका प्रकाशन कब हुआ?

ङ) प्रेमचंद द्वारा संपादित किन्हीं दो पत्रिकाओं के नाम बताइए?

च) 'रंगभूमि' का सूरदास किसका प्रतीक है? इस उपन्यास का प्रकाशन कब हुआ?

छ) प्रगतिशील लेखक संघ का पहला अधिवेशन कब और कहाँ हुआ था?

ज) 'कर्बला' के अलावा प्रेमचंद द्वारा रचित दो नाटकों के नाम बताइए?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 4×4=16

क) 'शहर अमीरों के रहने और क्रय-विक्रय का स्थान है। उसके बाहर की भूमि उनके मनोरंजन और विनोद की जगह है। उस के मध्य भाग में उन के लड़कों की पाठशालायें और उन के मुक़दमेंबाज़ी के अखाड़े होते हैं, जहाँ न्याय के बहाने गरीबों का गला घोंटा जाता है।'
उपरोक्त गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

ख) 'गबन' में व्यक्त राष्ट्रीय-चेतना पर विचार कीजिए।

ग) सोफिया का चरित्र-चित्रण कीजिए।

घ) "कितना सुंदर संचालन है, कितनी सुंदर व्यवस्था! लाखों सिर एक साथ सज़दे में झुक जाते हैं।" इस पंक्ति की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

ङ) "वह हमारी खटोली पर बैठेंगे नहीं। देखते नहीं कितने नाम-धरम से रहते हैं।" - वक्ता और श्रोता के नाम बताते हुए प्रसंग की चर्चा करें?

च) जालपा की चारित्रिक विशेषताओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

छ) 'कर्बला' नाटक की भाषा-शैली पर विचार कीजिए।

ज) 'मुक्तिमार्ग' का मुख्य प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×8=16

क) 'रंगभूमि' में व्यक्त समस्याओं पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।

ख) 'ठाकुर का कुआँ' सामाज़िक विषमता का आख्यान है' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

ग) नाटक-कला के तत्वों के आधार पर 'कर्बला' की समीक्षा कीजिए।

घ) 'साहित्य का उद्देश्य' निवंध के आधार पर प्रेमचंद की साहित्य संबंधी मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।